भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3988

12 अगस्त, 2026 के लिए प्रश्न

गेहूं और चावल की मात्रा

3988. श्रीमती पूनसबेन माडम:

डॉ. प्रशांत यादवराव पडोले:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिनांक 01 अप्रैल, 2026 की स्थिति के अनुसार केंद्रीय पूल में रखी गई गेहूँ और चावल की कुल मात्रा कितनी है और यह निर्धारित बफर मानकों से कितना अधिक है;

(ख) विगत रबी विपणन सीजन की तुलना में सीजन 2026-27 के दौरान गेहूं की कितनी खरीद की गई और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) संबंधी अभियानों के माध्यम से कितने किसान लाभान्वित हुए हैं; और

(ग) सरकार द्वारा अधिशेष खाद्यान्न स्टॉक का कुशलतापूर्वक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ताकि भंडारण लागत को इष्टतम बनाया जा सके और इसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री

(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क): दिनांक 01 अप्रैल, 2026 तक की स्थिति के अनुसार केंद्रीय पूल (बफर स्टॉक) में खाद्यान्नों का कुल स्टॉक तथा खाद्यान्न स्टॉकिंग मानदंड निम्नानुसार है:-

(आंकड़े लाख टन में)

गेंहू और चावल का स्टॉक				खाद्यान्न स्टॉकिंग मानदंड (बफर स्टॉक)		
दिनांक तक	गेहूँ	चावल	कुल	गेहूँ	चावल	कुल
01 अप्रैल, 2026	217.92	386.10	604.02	74.60	135.80	210.40

(ख): रबी विपणन मौसम 2025-26 तथा 2026-27 के दौरान गेहूँ की खरीद तथा लाभान्वित किसानों की संख्या निम्नानुसार है:-

रबी विपणन मौसम	गेहूँ की खरीद (लाख टन में)	लाभान्वित किसानों की संख्या
2025-26	299.75	2512823
2026-27	357.57	3482564

...2/-

(ग): भारत सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) की आवश्यकताओं से अधिक, अधिशेष खाद्यान्न (गेहूँ एवं चावल) का विक्रय खुली बाजार बिक्री योजना (घरेलू) {ओएमएसएस (डी)} के अंतर्गत खुले बाजार में करती है। इससे बाजार में खाद्यान्न की उपलब्धता बढ़ाने, मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आम आबादी के लिए खाद्यान्न को अधिक किफायती बनाने में सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त, ओएमएसएस (डी) नीति के अंतर्गत आम उपभोक्ताओं को सब्सिडीयुक्त दरों पर आटा (गेहूँ का आटा) तथा चावल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक 06.11.2023 और दिनांक 06.02.2024 को क्रमशः भारत आटा तथा भारत चावल की शुरूआत की गई।

*****